

सूरसागर (10/2420) वि. कैसी उदा. मेरे हृदय  
कृपा कसि काउ मानस (1/280/1 तुलसी)  
क्रि.वि. कैसे।

कसिया स्त्री. (तद्.) 1. छोटा फावड़ा, कसी स्त्री.  
(देश.) मटमैले रंग की (भूरी) एक चिड़िया।

कसियाना क्रि.वि. (देश.) कसैला हो जाना, काँसे,  
पीतल आदि के पात्र में रखी हुई किसी वस्तु का  
कसैला हो जाना, कसाना, (स्वाद) में कसैला हो  
जाना।

कसिवान पुं. (तद्.) कसौटी, सोना, चाँदी परखने  
की निकष।

कसी स्त्री. (तद्.) 1. भूमि आदि खोदने में प्रयुक्त  
छोटा फावड़ा, कुसी 2. स्त्री. (तद्.) रस्सी पुं.  
गवेधुक नामक पौधा।

कसीटना स.क्रि. (देश.) 1. कसना 2. रोकना उदा.  
प्राण ही कूँ धारि धारणा कसीटियतु हैं "सुंदर"।

कसीदा पुं. (अर.) 1. ऐसी कविता जो किसी की प्रशंसा  
के लिए (फारसी में) रची गई हो, प्रशंसात्मक  
पद्य-रचना उदा. तुमने तो अपनी कविता में  
आज अपने मित्र के कसीदे जी भर कर पढ़े।

कसीदा पुं. (फा.) सुई तथा धागे से कपड़े पर बेल-  
बूटे तथा पशु-पक्षियों के चित्र काढ़ने की क्रिया  
या काम, कसीदाकारी।

कसीर वि. (अर.) मान, मात्रा तथा संख्या आदि के  
विचार से बहुत ज्यादा, प्रचुर, अधिक।

कसीला वि. (देश.) 1. कसावट वाले शरीर का,  
सुगठित शरीर वाला 2. कसा हुआ उदा. 1.  
कसीले शरीर वाला युवक 2. कसीले वस्त्र  
पहनना अच्छा नहीं लगता।

कसीस पुं. (तद्.) लोहे के विकारी रूप का एक  
खनिज पदार्थ, हरा थोथा टि. हरा थोथा जहाँ  
लोहे का यौगिक होता है वहीं नीला थोथा ताँबे  
का।

कसीस स्त्री. (फा.) 1. खिंचाव, आकर्षण 2. तनाव  
3. प्रयत्न, कोशिश 4. निर्दयता, कठोर व्यवहार।

कसीसना स.क्रि. (देश.) 1. तानना, खींचना,  
चढ़ाना उदा. हाथ इतने वर बान कसीसत।

कसुबा छठ स्त्री. (तद्.) श्रावण के शुक्ल पक्ष की  
षष्ठी (छठ) भक्तों द्वारा इस दिन भगवान कृष्ण  
(विष्णु) की पूजा करने के बाद कुसुंभी रंग के  
वस्त्र पहने जाते हैं।

कसून पुं. (देश.) 1. कर 2. कर के पौधे का लाल-  
पीला फूल 3. लाल-पीले रंग के फूलों वाला पौधा।

कसूमर पुं. (तद्.) कुसुम नामक फूल, कुसुंभ वि.  
कुसुंभ पुष्प के रंग का, केसरिया।

कसूमल पुं. (तद्.) दे. कसूमर उदा. कहो कसूमल  
साड़ी रँगावाँ, कहो तो भगवाँ भेस -मीरा (पद  
153)।

कसूर/कुसूर पुं. (अर.) 1. अपराध, दोष, जुर्म 2.  
त्रुटि, गलती।

कसूरवार वि. (अर.) अपराधी, दोषी।

कसेरा पुं. (तद्.) 1. कांस्यकार, ठठेरा 2. काँसे-पीतल  
के बरतन बनाने वाला व्यक्ति तथा उपजाति।

कसेरु पुं. (तद्.) एक प्रकार की मौंथा घास की जड़  
जो गाँठों के रूप में होती है तथा मीठी एवं  
स्वादु होने के कारण फल के रूप में खाई  
जाती है, यह प्रायः झीलों तथा तालाबों के समीप  
उगती हैं, इसका छिलका काला होता है।

कसैया वि. (देश.) 1. कसकर या जकड़कर बाँधने  
वाला 2. परखने या जाँचने वाला 3. पशुओं को  
कसाई के घर ले जाने वाला 4. पशु-वध करने  
वाला (कसाब) पुं. 1. कसकर बाँधने वाला व्यक्ति  
2. कसाव।

कसैला वि. (तद्.) 1. कषाय या कसैले स्वाद वाला  
2. स्वाद में ऐसी वस्तु जिसके खाने में जीभ में  
हल्की ऐंठन, चुनचुनी या तनाव होता हो तथा  
जिसका स्वाद आँवले, फिटकरी के समान होता  
हो।

कसैलापन पुं. (देश.) कसैला होने की स्थिति,  
अवस्था या भाव।